Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In December 2019

157 विद्यार्थी साक्षात्कार के लिए चुने

जीजेयू में दो दिवसीय राज्यस्तरीय पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर कंपनी इंफोसिस के साथ दो दिवसीय राज्य स्तरीय पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का शुभारंभ किया। दो चरणों में आयोजित की गई पूल कैंपस ड्राइव के पहले दिन 157 प्रतिभागियों को साक्षात्कार के लिए चुना गया है। चौधरी रणबीर सिंह सभागार में पूल कैंपस ड्राइव के शुभारंभ पर अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। प्लेसमेंट ड्राइव का संचालन इंफोसिस कम्पनी की नोर्थ जॉन एचआर शॉन वत्स द्वारा किया जा रहा है।

अपने कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन करें तो रोजगार की कमी नहीं : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी यदि अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करता है तो उसके लिए रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है। यदि आप अपने कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे तो आपका रोजगार के लिए चयन किया जाना तय है।

राज्यस्तरीय पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में उपस्थित विद्यार्थी। ● जीजेयू के सौजन्य से।

एक सेमेस्टर अधिक पढ़ाई का मिलता है अवसर

इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के लिए विद्यार्थियों को आठ सेमेस्टरों से गुजरना पड़ता है। वहीं कम्पनी के साथ जुड़ने वाले विद्यार्थियों को एक सेमेस्टर अधिक पढ़ाई करने का अवसर प्रदान किया जाता है। मैसुर स्थित कम्पनी के प्रशिक्षण केन्द्र में उन्हें विभिन्न विषयों के बारे में ट्रेनिंग दी जाती है।

40 संस्थानों के 450 प्रतिभागियों ने लिया भाग

सैल निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ड्राइव में विभिन्न विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों सहित 40 संस्थानों के 450 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आज होगा साक्षात्कार

इन विद्यार्थियों का रविवार को विश्वविद्यालय के पं. दीन दयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर में साक्षात्कार लिया जाएगा। साक्षात्कार के बाद चयनित विद्यार्थियों को कम्पनी में कार्य करने का मौका मिलेगा।

विद्यार्थियों को संबोधित करती कंपनी एचआर शान वत्स बाएं-व जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार। (दाएं) ● जीजेयू से

प्री-प्लेसमेंट टॉक में दी गई कंपनी संबंधी जानकारी

विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में इंफोसिस कम्पनी के अधिकारियों द्वारा प्री-प्लेसमेंट टॉक का आयोजन भी किया गया। प्री-प्लेसमेंट टॉक के दौरान नोर्थ जॉन एचआर शान वत्स ने बताया कि इंफोसिस फोर्ब्स पत्रिका-2019 द्वारा किए गए सर्वे अनुसार विश्व की सर्वाधिक प्रतिष्ठित कम्पनियों में तीसरे स्थान पर है। विद्यार्थियों को कम्पनी की प्रोफाइल, सुविधाओं, भर्ती प्रक्रिया, वेतन पैकेज और कंपनी में अन्य बुनियादी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

दैनिक जागरण - 01-12-2019

स्टेट लैवल पूल कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में गुजवि के 36 विद्यार्थियों का चयन

हिसार(ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से आयोजित 2 दिवसीय स्टेट लैवल पूल कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के 36 विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित भारतीय मल्टीनैशनल आई.टी. कम्पनी इन्फोसिस में हुआ है।

प्लेसमैंट ड्राइव में बी.टैक. सी.एस.ई. के 21 विद्यार्थी, बी.टैक. आई.टी. के 6 विद्यार्थी, बी.टैक. ई.सी.ई. के 3 विद्यार्थी, बी.टैक. एम.ई. के 4 विद्यार्थी तथा एम.सी.ए. व एम.टैक. सी.एस.ई. के 1-1 विद्यार्थी का चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में बी.टैक. सी.एस.ई. के अभिषेक सिंह, अमित गोयल, अंकित जैन, देवेश वर्मा, शिवम धिमान, दिव्या कुकरेजा, मान्या गर्ग, लोकेश यादव, मयंक टुटेजा, परमजीत यादव, प्रिया यादव, रजत शर्मा, रिया अग्रवाल, सचिन सैनी, संगीता कोहाड़, शुभम श्योराण, शुभम मेहता, तनीष बाली, वंदना राणा, रोशन रौनियार तथा रेनु शर्मा, बी.टैक. आई.टी. के अरमान खान, अनुराग, गौतम वर्मा, पवन कुमार, रिधिमा मेहता और सुमित गुप्ता, बी.टैक. ई.सी.ई. के सुमित बिश्नोई, शुभम गोयल और श्री राम, बी.टैक. एम.ई. के हर्षित ठकराल, मानसी देसवाल, अरुण यादव व सुरेश कुमार, एम.सी.ए. की नीतू रानी तथा एम.टैक. सी.एस.ई. के सुनील कुमार शामिल हैं।

चयनित विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर एवं अन्य।

पंजाब केसरी - 06-12-2019

विद्यार्थियों को मेमोरी बूस्ट करने के तरीके बताए

जीजेयू में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी। - अमर उजाला

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हाल-2 में मेमोरी मैनेजमेंट मेमोरी बूस्टिंग एंड कंसंट्रेशन इंप्रूवमेंट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर में कार्यरत प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर यंग इनोवेटर जितेंद्र जांगड़ा ने कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को मेमोरी बूस्ट करने के तरीकों से अवगत करवाया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अनिल कुमार एवं अंजू गुप्ता उपस्थित रहे। जितेंद्र जांगड़ा ने याददाश्त बढ़ाने, एकाग्रता बढ़ाने और मेमोरी रिटेंशन बढ़ाने के तरीकों की न केवल जानकारी दी, बल्कि उन्होंने कुछ गतिविधियां भी करवाई।

अमर उजाला - 06-12-2019

गुजवि ने बनाई विश्व स्तर पर पहचान

वर्ल्ड्स मोस्ट सस्टेनेबल यू.आई. ग्रीन मीट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में मिला छठा रैंक

हिसार, 9 दिसम्बर (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाने में कामयाब रही। विवि को राष्ट्रीय स्तर पर वर्ल्ड्स मोस्ट सस्टेनेबल यू.आई. ग्रीनमीट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में छठा तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 321वां स्थान प्राप्त हुआ है।

85 देशों के 780 विश्वविद्यालयों ने रैंकिंग में भाग लिया। रैंकिंग की घोषणा यूनिवर्सिटीस इंडोनेशिया ने जकार्ता इंडोनेशिया ने की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहचान वैश्विक होनी चाहिए। विश्वविद्यालय लगातार इन ऊंचाइयों को छूता रहेगा। इस रैंकिंग की घोषणा 6 सत्यापित श्रेणियों के आधार पर की गई। जिसमें सैटिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर (एस.आई.), एनर्जी एंड कलाइमेट चेंज (ई.सी.), वेस्ट (डब्ल्यू.एस.), वाटर (डब्ल्यू.आर), ट्रांसपोर्टेशन (टी.आर.) एवं एजुकेशन (ई.डी.) शामिल है जिसमें विश्व स्तर पर विश्वविद्यालय ने 82 एस.आई., 439 ई.सी., 424 डब्ल्यू.एस., 214 डब्ल्यू.आर., 157 टी.आर. एवं 636 ई.डी. रैंकिंग हासिल की है।

गुजवि परिसर।

इस ग्रीन मीट्रिक वर्ल्ड रैंकिंग के लिए प्रतिष्ठित आई.आई.टीज, आई.आई.एम्स, एन.आई.टीज एवं कई अन्य विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।

पंजाब केसरी - 10-12-19

पर्यावरण, शिक्षा के मापदंडों में छठे नंबर पर जीजेयू

संदीप बिश्नोई

हिसार। बेहतर शिक्षा और शोध के साथ पर्यावरण के अनुकूल प्रतिबद्धता में हिसार के दो विश्वविद्यालयों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इंडोनेशिया के जकार्ता में जारी की गई वर्ल्ड्स मोस्ट सस्टेनेबल यूआई ग्रीन मीट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शहर के गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को देशभर में छठा और विश्व में 321वां स्थान मिला है।

वहीं, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देश भर में 19वें स्थान पर रहा। हालांकि एचएयू को दुनिया में 547वां रैंक मिला। इस रैंकिंग में देश के 26 संस्थानों की रैंकिंग जारी की गई, जबकि विश्व के विकसित देशों यूके, यूएसए, जर्मनी, जापान, इटली, स्पेन, चीन, ब्राजील, कनाडा आदि के कुल 780 शैक्षणिक संस्थानों को शामिल किया गया था।

देश के संस्थानों की रैंकिंग

संस्थान	वर्ल्ड रैंकिंग	नेशनल रैंकिंग
मणिपाल यूनिवर्सिटी	125	01
मैंगलोर यूनिवर्सिटी	178	02
एसआरएम यूनिवर्सिटी	243	03
कालासालिंगम यूनिवर्सिटी	253	04
आईआईआईटीएम ग्वालियर	273	05
गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार	321	06
सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय	547	19

पांच डिग्री तक कम होता है तापमान

पर्यावरण की दृष्टि से देखें तो दोनों विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गर्मियों में शहर के किसी भी स्थान की अपेक्षा तापमान पांच डिग्री तक कम होता है। वहीं, वाटर री-साइकिलिंग, वेस्ट मैनेजमेंट के लिए भी विश्वविद्यालयों ने अपने प्लांट लगाए हुए हैं। इसके अलावा एनर्जी की बात करें तो गुजवि सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करती है।

छह श्रेणियों के आधार पर किया गया मूल्यांकन

रैंकिंग की घोषणा छह सत्यापित श्रेणियों की आधार पर की गई है, जिसमें सेटिंग ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर (एसआई), एनर्जी ऐंड क्लाईमेट चेंज (ईसी), वेस्ट (डब्ल्यूएस), वाटर (डब्ल्यूआर), ट्रांसपोर्टेशन (टीआर) एवं एजुकेशन (ईडी) शामिल हैं। इन सभी श्रेणियों में दोनों विश्वविद्यालयों ने बेहतर प्रदर्शन किया। गुजवि की अलग-अलग श्रेणियों में रैंकिंग की बात करें तो विश्वविद्यालय ने 82 एसआई, 439 ईसी, 424 डब्ल्यूएस, 214 डब्ल्यूआर, 157 टीआर एवं 636 ईडी रैंकिंग हासिल की हैं।

विश्वविद्यालय ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके लिए विश्वविद्यालय परिवार बधाई का पात्र है। किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए हम वैश्विक स्तर पर एक अलग पहचान बनाने के लिए प्रयत्नशील हैं, ताकि हमारे किसान और वैज्ञानिक दुनियाभर में अपनी विशिष्टता स्थापित कर सकें।

– प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू

विश्वविद्यालय की पहचान वैश्विक ही होनी चाहिए। 25 साल से मेहनत कर रहे शिक्षकों और वर्क्स डिपार्टमेंट के लोगों सहित सभी को बधाई देता हूं। भारत में शिक्षा की अति समृद्ध व्यवस्था रही है। वो वापस हासिल हो, इसलिए मैं विश्वविद्यालय को विश्व स्तर पर और ऊंचे स्थान पर देखना चाहता हूं।

– प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि

रिसर्च में एचएयू अव्वल

सभी छह श्रेणियों में से पांच श्रेणियों में गुजवि ने एचएयू से बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि एजुकेशन ऐंड रिसर्च के मामले में एचएयू ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस मामले में गुजवि को 600 अंक मिले, जबकि एचएयू को इसमें 1000 अंक हासिल हुए।

अमर उजाला - 10-12-2019

अंतर विषय क्षेत्रों में रिसर्च करने के लिए जीजेयू और नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इकवीन्स आए एक साथ

जीजेयू और नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इकवीन्स एनआरसीई के बीच एमओयू साइन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व एनआरसीई के निदेशक डॉ. बीएन त्रिपाठी एमओयू लेते हुए।

जीजेयू और नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इकवीन्स, एक आईसीएआर अनुसंधान संस्थान (एनआरसीई) के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए। जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार व नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वीन्स के निदेशक डॉ. बीएन त्रिपाठी ने मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए। विवि के डीन इंटरनेशनल रिलेशंस प्रो. विनोद छोकर व डीन ऑफ रिसर्च प्रो. नरसीराम बिश्नोई तथा एनआरसीई के पीएमई सैल के प्रभारी डॉ. बलविन्द्र कुमार तथा प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. राजेन्द्र कुमार ने एमओयू पर बतौर गवाह हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर जीजेयू के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा, प्रो. नीरज दिलबागी व प्रो. नमिता सिंह इस अवसर पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू अंतरविषय क्षेत्रों में दोनों संस्थानों को अनुसंधान के लिए एक मंच प्रदान करेगा। इससे दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और कर्मचारियों को फायदा होगा। दोनों संस्थानों के शिक्षक व विद्यार्थी शोध कार्यों में परस्पर सहयोग करेंगे। शोधकर्ता उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान के लिए अपने ज्ञान और संसाधनों को सांझा कर सकते हैं और मानव और पर्यावरण कल्याण के लिए तकनीक का विकास कर सकते हैं। यह एमओयू एमएससी और पीएचडी के विद्यार्थियों को शोध के प्रति संवेदनशील बनाने में लाभदायक सिद्ध होगा।

संसाधनों को भी किया जाएगा सांझा

कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि उपकरणों की सुविधाओं के अतिरिक्त दोनों संस्थान पुस्तकालयों के संसाधनों को भी सांझा करेंगे। संस्थानों की शोध सांझेदारी संयुक्त प्रकाशनों तथा पेटेंटों की सुविधा प्रदान करेगी जिसके परिणामस्वरूप शोध सूचकांक तथा व्यवसायिक आंकड़ों में बढ़ोतरी होगी। एनआरसीई गुजविप्रौवि की सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटल लेबोरेटरी तथा सेंट्रल लाइब्रेरी की सुविधाओं का लाभ उठाएगा। इसी तरह विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा कर्मचारी विभिन्न पशु चिकित्सा आधारित माइक्रोबियल संस्कृतियों और प्रोटोकॉल के बायोरोसपोजिटरी का लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालय में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ पहले हुए एमओयू भी सफल हुए हैं।

दैनिक भास्कर - 06-12-2019

शिक्षकों को हमेशा सृजनशील रहना चाहिए : प्रो. टंकेश्वर

जीजेयू में रिफ्रेशर कोर्स में अलग-अलग राज्यों से पहुंचे प्रतिभागी

जीजेयू में रिफ्रेशर कोर्स के प्रतिभागियों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार: जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि अध्यापकों और शिक्षकों को सृजनशील होना चाहिए। सृजनशीलता से ही शिक्षक व विद्यार्थी समाज व राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे पाएंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार सोमवार को विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र की ओर से 'जीव विज्ञान' विषय पर शुरू हुए रिफ्रेशर कोर्स के शुभारम्भ समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। निदेशक

से जोड़ने में अपनी अहम भूमिका अदा कर रहा है। इस कोर्स में हरियाणा के अतिरिक्त महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, उड़ीसा, अंडेमान निकोबार द्वीप समूह तथा आसाम से 31 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। यह रिफ्रेशर कोर्स 21 दिसम्बर तक चलेगा। कोर्स कोर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया व अनुराग सांगवान हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समस्या को समझना समाधान की तरफ जाने वाला सबसे

ही विद्यार्थियों को निर्णय योजना में भी शामिल करना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं है, ज्ञान प्राप्त करना तथा ज्ञान का उपयोग समाज व राष्ट्र के हित में करना है। शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है, क्योंकि शिक्षक के उपर ही यह जिम्मेदारी होती है कि वह अपने विद्यार्थियों को राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक तैयार करें। यह कोर्स न केवल जीव विज्ञान के क्षेत्र में बल्कि राष्ट्र व समाज हित में प्रयोग के प्रति प्रतिभागियों को और अधिक ज्ञानवान बनाने में उपयोगी साबित होगा। कोर्स कोर्डिनेटर अनुराग

शोध की 60 प्रतिशत से ज्यादा सामग्री चोरी की हुई मिली तो पंजीकरण होगा रद्द : डॉ. चौहान

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

गुजवि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक। - अमर उजाला

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) के डॉ. भीमराव आंबेडकर पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए वट्रीटिरिन-एंटी प्लाजिरिज्म सॉफ्टवेयर के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में साहित्यिक चोरी के बारे में जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि साहित्यिक चोरी विनियमन 2018 के तहत यदि किसी भी शोधार्थी द्वारा 60 प्रतिशत से अधिक अन्य शोध की चोरी की हुई पाई जाती है तो शोधार्थी का पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने की। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र चौहान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है, जिसके अंतर्गत किसी की भी सामग्री को आसानी से चुराया जा सकता है।

चुराई गई सामग्री के कारण साहित्यिक चोरी विनियमन 2018 के तहत शोधार्थी व पर्यवेक्षक को समस्या पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि शोधार्थी बौद्धिक सामग्री को अपने शोध कार्य में प्रयोग नहीं कर सकता।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता

साहित्यिक चोरी विनियमन 2018 पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्य वक्ता डॉ. नरेंद्र चौहान ने बताया कि शोधकार्य के दौरान कौन-कौन से कार्य प्लाजिरिज्म से बचने के लिए करने चाहिए। शोधार्थी किसी दूसरे के शोधकार्य, शोधपत्र व शोध पत्रिकाओं से कैसे सामग्री लेनी लेनी है और उसको कैसे उपयोग करना है, की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त पर्यवेक्षक के लिए दो सालाना वेतन वृद्धि व तीन वर्ष तक किसी भी स्तर के शोध की निगरानी के लिए पाबंदी लगाने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ पर्यवेक्षक के लिए उसकी सेवाओं को समाप्ति और निलंबन का प्रावधान भी है। उन्होंने बताया कि विश्व स्तर पर कोई भी सॉफ्टवेयर उपलब्ध नहीं है, जो किसी शोध कार्य में से साहित्यिक चोरी को पकड़ा जा सकें।

सॉफ्टवेयर का कार्य केवल पाठ की समानता बताना है। पर्यवेक्षक को यह निर्णय लेना है कि समानता में से कौन सा साहित्यिक चोरी के अंतर्गत आता है। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार, डॉ. श्याम सुंदर जोशी, डॉ. सोमदत, पूजा आदि मौजूद रहे।

शिक्षा

गुजवि में 2018 में 17 और 2016 में 16 विदेशी विद्यार्थियों ने लिया था पीएचडी में दाखिला

इस बार बिना प्रवेश परीक्षा के सीधे पीएचडी में दाखिला ले सकेंगे विदेशी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में पीएचडी में दाखिला प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गई। योग्य उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वहीं, हिसार नॉलेज हब के अधिकारियों, कर्मचारियों और विदेशी विद्यार्थियों की कोई परीक्षा नहीं होगी। वे शिक्षक की कन्सेंट लेकर सीधे पीएचडी में दाखिला ले सकते हैं।

विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यूजी और पीजी के कोर्सों के साथ पीएचडी में भी विद्यार्थियों के दाखिले के लिए रुझान बढ़ा है।

पीएचडी में 2019 में जहां 16 विद्यार्थियों ने दाखिले लिए थे वहीं 2018 में 17 विद्यार्थियों ने पीएचडी में दाखिले लिए थे। विदेशी विद्यार्थी यहां से गणित, बायोटेक, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन विभाग और हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस से पीएचडी कर रहे हैं। ऐसे में इस वर्ष भी

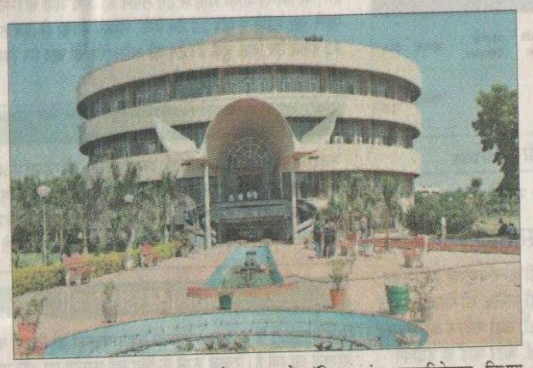

"विदेशी विद्यार्थियों और हिसार नॉलेज हब के सदस्यों को पीएचडी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। टीचर की कन्सेंट से उनका दाखिला सीधा ही हो जाएगा।

- प्रो. ऊषा अरोड़ा, डीन एकेडमिक अफेयर, गुजवि

विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों के दाखिले होने से यह संख्या बढ़ेगी और विभिन्न रैंकिंग और मापदंडों में विश्वविद्यालय का यह मानक मजबूत होगा।

इनको नहीं देनी होगी परीक्षा : हिसार नॉलेज हब के शिक्षक, वैज्ञानिक, ऑफिसर, जेआरएफ-नेट पास विद्यार्थी, गेट, जीपेट पास विद्यार्थी।

विदेशी विद्यार्थियों की संख्या

देश	2017-18	18-19
नेपाल	06	06
ईरान	01	01
इथोपिया	16	15
अफगानिस्तान	-	03
बांग्लादेश	-	01
रवांडा	-	01
कुल	23	27

किस कोर्स में कितने विदेशी विद्यार्थी

कोर्स	2017- 18	18-19
बीटेक	04	05
बीफार्मा	01	01
एमएससी/एमटेक	01	05
पीएचडी	17	16

जीजेयू रजिस्ट्रार डा. पुंडीर पंचतत्व में विलीन

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू के रजिस्ट्रार और डीन ऑफ कालेजिज डा. अनिल कुमार पुंडीर सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। रविवार शाम सिवानी में सड़क दुर्घटना में मौत के बाद सोमवार को उनका ऋषि नगर स्थित श्मशान भूमि में शाम 6 बजकर 3 मिनट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार से पूर्व तलवंडी राणा में उनके साथ दुर्घटना में मारे गए ड्राइवर बलबीर का अंतिम संस्कार किया गया। बलबीर के अंतिम संस्कार में विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित बोर्ड चेयरमैन जगबीर सिंह भी पहुंचे। वहीं रजिस्ट्रार के अंतिम संस्कार पर उत्तर प्रदेश के गन्ना मंत्री सुरेश राणा भी शामिल हुए। सुरेश राणा रिश्ते में उनके जमाई के चाचा हैं। वहीं विधायक डा. कमल गुप्ता, हरियाणा शिक्षा बोर्ड चेयरमैन जगबीर सिंह, जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार समेत एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह, लुवास के कुलपति प्रो. गुरदियाल सिंह, देवीलाल यूनिवर्सिटी के कुलपति और रजिस्ट्रार, गवर्नमेंट पीजी कालेज के प्रिंसिपल पीएस रोहिल्ला समेत अन्य कालेजों से प्रिंसिपल शिक्षक, जीजेयू से शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी और शहर से कई लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल रहे। वहीं दुर्घटना में उनकी बहनों सुशीला और उषा का अंतिम संस्कार मंगलवार दोपहर अंबाला और यमुनानगर के कलावड़ गांव में किया जाएगा। उनके निधन पर कई विद्यार्थियों समेत अन्य लोगों ने सोशल मीडिया पर भी उनसे अपने रिश्तों और मुलाकातों के बारे में जिक्र करते हुए उनके निधन पर दुख प्रकट किया गया।

छोटे भाई के अमेरिका से पहुंचने पर थोड़ी देरी से हुआ अंतिम संस्कार: डा. अनिल पुंडीर के शव को श्मशान भूमि ले जाने के बाद दाह संस्कार के लिए थोड़ा रुकना पड़ा। 15 मिनट बाद उनके छोटे भाई के अमेरिका से पहुंचने के बाद ही उनका अंतिम संस्कार करवाया गया। रजिस्ट्रार डा. अनिल पुंडीर के बेटे पार्थ व भाई ने मुखाग्नि देकर उनका दाह संस्कार किया।

परीक्षाएं हुईं, शोक में दुकानें बंद : जीजेयू में रजिस्ट्रार के निधन के बाद सोमवार को शुरू होने वाले अकाउंटिंग एंड बुक कीपिंग पर तीन दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया जाना था। लेकिन रजिस्ट्रार के निधन के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। हालांकि विद्यार्थियों की परीक्षाएं आयोजित की गईं। रजिस्ट्रार के निधन पर शोक जताते हुए जीजेयू में कैंटीन में सभी दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। इस दौरान खाने-पीने के बनाया गया फूड कोर्ट भी बंद रहा, जिसके चलते जीजेयू हॉस्टल के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एरिया में दिनभर सन्नाटा छाया रहा।

ऋषि नगर स्थित श्मशान भूमि में जीजेयू के रजिस्ट्रार डा. अनिल कुमार पुंडीर के दाह संस्कार के लिए पहुंचे उत्तरप्रदेश के गन्ना मंत्री सुरेश राणा, एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह, लुवास के कुलपति डा. गुरदियाल सिंह व अन्य। ● जागरण

सालासर में बहनों संग सेल्फी लेते डा. अनिल। ● सोशल मीडिया से उपलब्ध

बहनों के साथ सालासर धाम में ली थी अंतिम सेल्फी

रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर ने सालासर धाम में 3 बजकर 58 मिनट पर अंतिम सेल्फी ली। उन्होंने इसे सोशल मीडिया पर जारी किया था। उनके परिचितों ने उनकी फेसबुक आइडी पर उनकी इस सेल्फी को अपलोड करते हुए दुख प्रकट किया।

बेटी व पत्नी रविवार रात पहुंचीं

डा. पुंडीर की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद उनकी बेटी गरिमा और उनकी पत्नी गीता देर रात फ्लाइट में हिसार पहुंचे। वहीं उनके बेटे समेत अन्य रिश्तेदार सोमवार सुबह उनके आवास पर पहुंचे।

ऋषि नगर स्थित श्मशान भूमि में जीजेयू के रजिस्ट्रार डा. अनिल कुमार पुंडीर के दाह संस्कार से पूर्व उनका बेटा भारत अंतिम संस्कार की क्रिया करते हुए। ● जागरण

रात 11 बजे सिवानी से भिवानी अस्पताल भिजवाया शव

हरियाणा शिक्षा बोर्ड चेयरमैन डा. जगबीर सिंह और जीजेयू से कई शिक्षकों ने रविवार रात 11 बजे पोस्टमार्टम के लिए सिवानी अस्पताल से शव को पोस्टमार्टम के लिए भिवानी अस्पताल भिजवाया। वहां सुबह 7 बजे पोस्टमार्टम के बाद उनके शव को सुबह 8 .15 बजे भिवानी से हिसार के सिविल अस्पताल लाया गया। इसके बाद रजिस्ट्रार डा. अनिल कुमार पुंडीर के शव को सिविल अस्पताल से दोपहर 3 बजकर 8 मिनट पर एंबुलेंस के जरिये विश्वविद्यालय स्थित रजिस्ट्रार आवास पर लाया गया। जहां परिजनों ने उनके मुख को अंतिम बार देखा।

पांव पकड़कर बिलख पड़ी बेटी

रजिस्ट्रार डा. अनिल कुमार पुंडीर के शव को उनके आवास पर लाया गया तो उनकी बेटी, पत्नी व अन्य रिश्तेदार बिलख पड़े। उनकी बेटी उनके पांव पकड़कर रोते हुए बस यही बोली, पापा क्यों अकेला छोड़ गए हमें।

डा. पुंडीर मेरे बहुत अच्छे मित्र थे, शनिवार को फोन कर बोले कि मेरी दोनों बहनों को लेकर आ रहा हूं, आपके घर चाय पीते है। शाम को चाय पीकर जाते हुए बोले दोनों बहनों को सालासर दर्शन के लिए ले जा रहा हूं। लेकिन रविवार शाम उनकी मौत की सूचना मिली। डा. जगबीर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड चेयरमैन, हिसार।

दैनिक जागरण — 17-12-2019

गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बनेंगी गुजवि की छात्रा लीजा व राजकीय पीजी महाविद्यालय की छात्रा मीनाक्षी

हिसार , 18 दिसंबर (सवेरा) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की छात्रा लीजा और राजकीय पीजी महाविद्यालय की छात्रा मीनाक्षी का गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने के लिए चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित छात्राओं को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. अनिल भानखड़ ने बताया कि इस चयन की प्रक्रिया में सबसे पहले इन छात्राओं का जिला स्तर पर व राज्य स्तर पर चयन हुआ। बाद में विश्वविद्यालय के विकास, लीजा, अमित व तरणजीत तथा राजकीय पीजी कॉलेज हिसार की सोनिका, मीनाक्षी, रवि और कल्पना को प्री आरडी कैम्प के लिए चुना गया। इन विद्यार्थियों ने चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा, पंजाब में प्री आरडी कैम्प में भाग लिया। इस आधार पर विश्वविद्यालय की छात्रा लीजा व राजकीय पीजी कॉलेज की छात्रा मीनाक्षी का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

गुजवि की छात्रा लीजा। राजकीय पीजी महाविद्यालय हिसार की छात्रा मीनाक्षी।

GJUST SIXTH IN GREEN RANKINGS

Hisar: Guru Jambheswar University of Science and Technology, Hisar, has got sixth rank in India and 321st rank in the world in UI Green Metric World Rankings. Universitas Indonesia (UI) recently released the result of UI Green Metric World University Rankings 2019. Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, and Dr Anil Kumar Pundir, Registrar, congratulated the entire fraternity of the university over this achievement. The ranking has been declared by UI on the basis of verified data under six categories – setting and infrastructure, energy and climate change, waste, water, transportation and education.

नशामुक्ति पर जागरूकता में जीजेयू अव्वल

राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ जागरूकता अभियान के लिए जीजेयू को मिली 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू (गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) ने शिक्षा, शोध, खेल एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी श्रेष्ठ उपस्थित दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हरियाणा द्वारा राज्य पुरस्कार योजना के अन्तर्गत वर्ष 2019-20 के लिए नशामुक्ति के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ जागरूकता अभियान के वर्ग में प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राज्यमन्त्री हरियाणा ओमप्रकाश यादव द्वारा प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा पंचकुला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में दिया गया है। इस समारोह की अध्यक्षता सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राज्यमन्त्री हरियाणा माननीय ओमप्रकाश यादव ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ जागरूकता अभियान के लिए 50 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि से भी सम्मानित किया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से वर्ष 2019-20 के लिए विवि को जागरूकता अभियान में पुरस्कार से नवाजा

मनोविज्ञान विभाग में युवाओं की होती है काउंसिलिंग

विवि के मनोविज्ञान विभाग में मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं मार्गदर्शन सैल स्थापित है, जिसमें नशा व अन्य मानसिक परेशानियों को दूर करने के लिए न केवल विद्यार्थियों को बल्कि अन्य नागरिकों को भी उचित सलाह एवं निशुल्क परामर्श की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। स्वच्छता अभियान में भी विश्वविद्यालय स्थानीय प्रशासन व सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर अपना योगदान देता है। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों तथा अन्य नागरिकों के लिए भी विवि समय-समय पर योजनाएं बनाता है व कार्यान्वित करता है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विवि द्वारा उठाए गए कदमों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

कुलपति ने जताई खुशी : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खुशी व्यक्त की है तथा विश्वविद्यालय परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देना नहीं है, बल्कि उनको एक बेहतर नागरिक बनाना है। उनका हमेशा मानना है कि सभी प्रकार के शिक्षण एवं शोध कार्य समाज व राष्ट्र हित में होने चाहिए। साथ ही सामाजिक जागरूकता उत्पन्न करना किसी भी शिक्षण संस्थान के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक होना चाहिए। जीजेयू के प्रति अपने कर्तव्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करता है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से लगातार सामाजिक जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। विश्वविद्यालय ने पांच गांव गोद लेकर वहां पर जागरूकता अभियान चलाए हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने विश्वविद्यालय परिसर से हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उपस्थित में 'नशामुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की थी।

दैनिक जागरण – 20-12-2019

प्रो. बंसल बने गुजवि के नए कुलसचिव

हिसार, 19 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के प्रो. हरभजन बंसल गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस सम्बंध में आदेश जारी कर दिए हैं। प्रो. हरभजन बंसल ने गुरुवार को कुलसचिव के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

उल्लेखनीय है कि गुजवि के कुलसचिव डा.अनिल पुंडीर का गत दिनों सिवानी के पास सड़क हादसे में निधन हो गया था। उनके निधन के बाद कुलसचिव पद रिक्त था।

अनेक पुरस्कारों से हो चुके सम्मानित

प्रो.हरभजन को कई बार सर्वश्रेष्ठ शिक्षक व सर्वश्रेष्ठ शोधकर्त्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें देवांग मेहता बिजनैस स्कूल, मुंबई द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार और मोहम्मद अली जिन्ना विश्वविद्यालय इस्लामाबाद, पाकिस्तान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मैनेजमैंट में उभरते रुझान' विषय पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल ने कहा है कि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने लगा है। इस दिशा में और अधिक प्रयास किए जाएंगे। विश्वविद्यालय का शोध एवं शैक्षणिक वातावरण अत्यंत उत्कृष्ट है। इस वातावरण को और अधिक उत्कृष्ट बनाने के प्रयास किए जाएंगे। कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएंगी।

प्रो. हरभजन बंसल को 29 साल का शिक्षण का अनुभव है। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके 70 से अधिक शोध प्रकाशन हो चुके हैं। उन्होंने सफलतापूर्वक 13 पी.एच.डी. उम्मीदवारों का मार्गदर्शन किया है और 8 पी.एच.डी. शोधार्थी उनके नेतृत्व में पीएच.डी. कर रहे हैं। उन्होंने 500 से अधिक बार व्यक्तित्व विकास विषय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया है तथा प्रेरक सम्बोधन दिए हैं। 100 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की है।

पंजाब केसरी – 20-12-2019

गुजवि और कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ के बीच हुआ एमओयू

गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ, ओन्टेरियो, कनाडा के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च डॉ. मालकॉम कम्पबेल एमओयू का आदान-प्रदान करते हुए। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ, ओन्टेरियो, कनाडा के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ, ओन्टेरियो, कनाडा के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च डॉ. मालकॉम कम्पबेल ने मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के डीन इंटरनेशनल अफेयर्स प्रो. विनोद छोकर व यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ, ओन्टेरियो, कनाडा के ओन्टेरियो वेटरनेरी कॉलेज के बायोमेडिकल विभाग के डॉ. पवनेश मदान ने एमओयू पर बतौर गवाह हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने इस एमओयू के लिए विशेष भूमिका अदा की है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. संदीप व प्रो. नरसीराम बिश्नोई उपस्थित रहे।

शिक्षण एवं शोध में सहयोग करेंगे दोनों विश्वविद्यालय

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस एमओयू से दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिकों को फायदा होगा। दोनों संस्थान बायो ऐंड नैनो टेक्नोलॉजी, एनवायरमेंट साइंस ऐंड इंजीनियरिंग, फूड साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलॉजी और ह्यूमेनिटीज ऐंड सोशल साइंसिज के क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध के लिए सहयोग करेंगे। दोनों संस्थान एक-दूसरे संस्थान के शैक्षणिक, तकनीकी और तकनीकी प्रगति के लिए प्रयोगशाला, आधारभूत सुविधाओं को साझा कर सकेंगे। इस एमओयू से दोनों संस्थान अनुसंधान परियोजनाओं, सेमिनारों और कार्यशालाओं में आपसी सह-संचालन के लिए सहमत होंगे। इस एमओयू से दोनों संस्थानों को लाभ होगा। यूनिवर्सिटी ऑफ गुल्फ, ओन्टेरियो, कनाडा एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी है।

अमर उजाला - 30-11-2019

गुजवि के 8 विद्यार्थियों का हुआ एचडीएफसी लाइफ, चंडीगढ़ में चयन

हिसार, 29 दिसंबर (सवेरा) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से आयोजित कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के 8 विद्यार्थियों का चयन एचडीएफसी लाइफ हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। प्री-प्लेसमैंट टॉक में कंपनी के बारे में बात करते हुए क्षेत्रीय हैड, पंजाब ललित, एचआर हैड मनोज सिंह राणा व एचआर अंकुर ने बताया कि एचडीएफसी लाइफ इंश्योरैंस कंपनी लिमिटेड, पूर्व में एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरैंस कंपनी लिमिटेड, एचडीएफसी लिमिटेड, भारत की अग्रणी हाउसिंग फाइनैंस इंस्टीच्यूट और वैश्विक निवेश कंपनी स्टैंडर्ड लाइफ एबरडीन का एक संयुक्त उद्यम है। वर्ष 2000 में स्थापित एचडीएफसी लाइफ भारत में एक प्रमुख दीर्घकालिक जीवन बीमा समाधान प्रदाता कंपनी है, जो व्यक्तिगत और समूह बीमा समाधानों की एक श्रृंखला प्रदान करती है तथा जिनमें ग्राहकों की विभिन्न जरूरतें जैसे कि संरक्षण, पेंशन, बचत, निवेश और स्वास्थ्य शामिल हैं। प्लेसमैंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इस प्लेसमैंट ड्राइव में हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के 2020 बैच के 52 विद्यार्थियों ने भाग लिया। चयनित विद्यार्थी उनकी अंतिम परीक्षा समाप्त होने के बाद जून, जुलाई 2020 के महीने में कंपनी में 4.25 लाख रुपए वार्षिक पैकेज पर शामिल होंगे। क्षेत्रीय हैड, पंजाब के ललित, एचआर हैड मनोज सिंह राणा व एचआर अंकुर द्वारा दिए गए प्री-प्लेसमैंट टॉक के बाद विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल में विद्यार्थियों का ऑनलाइन टेस्ट व व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित किया गया। प्लेसमैंट निदेशक ने हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस के निदेशक प्रो. कर्मपाल नरवाल व प्लेसमैंट कोर्डिनेटर प्रवीण कुमार को विद्यार्थियों को तैयार करने व प्रोत्साहित करने के लिए आभार प्रकट किया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि एमबीए फाइनेंस की नीतू व ज्योति, एमबीए एचआर के दीपक, एमबीए आईबी की अमिशा, एमबीए मार्कीटिंग के योगेश, रजत, हर्ष व साक्षी का चयन कंपनी में हुआ है।

गुजवि के अधिकारियों के साथ चयनित विद्यार्थी।

दैनिक सवेरा टाइम्स - 30-12-19

10 साल के शोध के बाद भूकंप की भविष्यवाणी का मॉडल पेटेंट, अब 15 मिनट बाद लिया जाएगा डाटा

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में वैज्ञानिक डॉ. रमेश चंद्र तिवारी बोले - निकट भविष्य में भूकंप की भी हो सकेगी सटीक भविष्यवाणी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मौसम की तरह भूकंप की सटीक भविष्यवाणी अभी तक कहीं भी संभव नहीं है। इसके लिए के दुनियाभर में शोध चल रहे हैं। भारत की मिजोरम यूनिवर्सिटी में भी इस पर 10 वर्ष से अधिक समय से रिसर्च जारी है। यहां के वैज्ञानिक डॉ. रमेश चंद्र तिवारी बताते हैं कि अभी हम एक मॉडल पर काम कर रहे थे, जिसमें धरती के नीचे हो रही हलचल को एक थिन फिल्म के माध्यम से पता लगाते हैं। इसके मॉडल को पेटेंट करवा लिया गया है। प्रो. तिवारी गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में हिस्सा लेने पहुंचे थे।

डॉ. रमेश चंद्र

उन्होंने बताया कि जल्दी-जल्दी होने वाली इस हलचल के समय का सही आकलन करना आसान नहीं है। ऐसे में अब डिजिटल फार्म में हर 15 मिनट में डेटा लिया जाएगा। इसके लिए जर्मनी से विशेष उपकरण मंगवाए गए हैं। इस डेटा का संग्रहण करके उसे स्टडी किया जाएगा, जिससे भविष्य में भूकंप आने से पहले पता लगाने की संभावनाओं को बल मिलेगा।

एक हजार किमी. के क्षेत्र में चल रहा शोध

प्रो. तिवारी ने बताया कि भारत में पूर्वी क्षेत्र में सबसे अधिक भूकंप आते हैं। यहां हर रोज हल्के भूकंप आते रहते हैं। यह क्षेत्र भूकंप की खतरनाक श्रेणी वाला क्षेत्र है। क्षेत्र में एक हजार किलोमीटर के क्षेत्र में भूकंप आने से पहले पता लगाने के संबंध में शोध कर रहे हैं।

एल्फा पार्टिकल को करते हैं डिटेक्ट : प्रो. तिवारी ने बताया कि सॉलिड स्टेट न्यूक्लियर ट्रैक डिटेक्टर के माध्यम से वे भूकंप से पहले जमीन के नीचे होने वाली परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। अभी 12 नैनो मीटर की थिन फिल्म को वे बॉक्स में सेट करके जमीन में 80 सेंटीमीटर नीचे लटका देते हैं। जमीन के नीचे एल्फा रेडिएशन के कारण फिल्म में छेद हो जाते हैं। भूकंप आने से पहले इनकी संख्या बहुत बढ़ जाती है। कुछ दिन बाद फिल्म को निकालकर उसे लैब में ले जाकर प्रोसेस किया जाता है और फिर अन्य डेटा से उसका आकलन किया जाता है।

फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित, बायोलॉजी के वैज्ञानिकों ने दिए व्याख्यान

गुजवि में केमिस्ट्री विभाग की ओर से आयोजित की जा रही अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस

गुजवि में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक व अधिकारी। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग और इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसिज के संयुक्त तत्वावधान में इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसिज के 'फिजिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसिज एट क्रॉस रोड्स : इंटरडिस्पलीनरी एक्सप्लोरेशन्स ऐंड एकजाईटिंग चेलेंजिज' विषय पर चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित तथा बायोलोजी के साथ अन्य संबंधित विषयों पर विशेष व्याख्यान हुए।

विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के एक, दो व तीन सेमिनार हॉल में समानांतर सत्रों का आयोजन किया गया। सम्मेलन के संयोजक देवेंद्र कुमार ने बताया कि सुबह के सत्र में बीएआरसी मुंबई के प्रो. केपी मिश्रा ने 'फिजियो केमिकल प्रिंसिपल्स हॉल रिवोलुशनाइज्ड पब्लिक हेल्थ ऐंड बायोमेडिकल टेक्नोलॉजिज' और सेंट्रल यूनिवर्सिटी बिलासपुर के प्रो. पीके वाजपेयी ने डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ मैटीरियल्स फॉर एनहांसिंग दा मेग्नेटोइलेक्ट्रिक कपलिंग इन मल्टीफेबरिक्स पर अपने विशेष व्याख्यान दिए। दूसरे सत्र में बीआईटीएस पिलानी के प्रो. दिलीप कुमार ने फेसाइल सिंथेसिस ऐंड एक्सप्लोरेशन ऑफ फोटो फिजिकल प्रॉपर्टीज ऑफ हेटरोसाइकिल एनोलेटिड पोरफ्रीनाएड्स, बीएआरसी मुंबई के प्रो. पीतांबर सिंह ने एक्सलेरेटर ड्राइवन सिस्टम फॉर थ्योरम यूटिलाइजेशन फॉर न्यूक्लीयर एनर्जी जनरेशन और आरबीयू कोलकाता के प्रो. दिलीप के. भट्टाचार्य ने रोड्स टू म्यूजिक थेरेपी विषय पर संबोधन दिया।

सायं के सत्र में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के लिए प्रेजेंटेशन भी हुई। इसके अतिरिक्त मौखिक प्रेजेंटेशन और पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. आरके. गुप्ता, प्रो. सोनिका, प्रो. सतबीर मोर, डॉ. कश्मीरी लाल, डॉ. विकास वर्मा, डॉ. ज्योति, प्रो. कुलदीप बंसल, प्रो. देवेंद्र मोहन, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. आशीष अग्रवाल व डॉ. कपिल उपस्थित रहे।

अमर उजाला - 31-12-2019

शोध का उद्देश्य सिर्फ समस्याओं का समाधान ही होना चाहिए : प्रो. विनोद

जीजेयू में शुरू हुआ तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 400 प्रतिभागी ले रहे भाग

जागरण संवाददाता, हिसार : शोध का उद्देश्य समस्याओं का समाधान ही होना चाहिए। रहने के लिए मकान इस सदी की एक और बड़ी समस्या है। प्रदूषित जल तथा प्रदूषित होती मिट्टी वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। यह बात प्रो. विनोद कुमार ने कही। वह जीजेयू के रसायन विभाग तथा इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के 'फिजिकल एंड बायोलोजिकल साइंसेज एट क्रॉस रोडस : इंटरडिस्पलीनरी एक्सप्लोरेशन्स एंड एक्जाईटिंग चेलेंजेज' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित हुए थे।

विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमीनार हाल-1 में हुए उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि तेजपुर विश्वविद्यालय, असम के कुलपति प्रो. विनोद कुमार जैन रहे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के महासचिव प्रो. पीएन पाण्डेय तथा उपाध्यक्ष प्रो. एसएन उपाध्याय के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल, सम्मेलन के संयोजक प्रो. देवेन्द्र कुमार तथा संयोजक सचिव डा. जयदेवी व डा. सीपी कौशिक भी मंच पर उपस्थित रहे।

यह सम्मेलन इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज का 25वां सम्मेलन है तथा संयोग से विश्वविद्यालय भी अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगांठ मना रहा है। यूस्टर यूनिवर्सिटी, यूके कै प्रो. जी. प्रसाद तथा यूनिवर्सिटी ऑफ जोहनसबर्ग, साऊथ अफ्रीका के प्रो. जे. प्रकाश सम्मेलन में आमंत्रित विदेशी वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

जीजेयू का एच इंडेक्स 82 तक पहुंचा : प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सुरक्षित व स्वस्थ वातावरण केवल मनुष्य की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पृथ्वी और जीव जगत का अधिकार है। वैज्ञानिकों को यह समझना होगा कि कैसे वर्तमान समय में सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड व जीव जगत को स्वस्थ व सुरक्षित रखा जाए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी ट्रांस-डिसीप्लीनरी योजना 'शुरू की है। यह विश्वविद्यालय गुरु जम्भेश्वर महाराज के नाम पर स्थापित है तथा स्वस्थ व सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए अपना योगदान दे रहा है। विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स 82 तक पहुंच चुका है तथा शोध, शिक्षण व अन्य क्षेत्रों में विश्वविद्यालय को अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो रहे हैं।

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के महासचिव प्रो. पीएन पाण्डेय ने एकेडमी के बारे में बताया कि यह संस्थान फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित तथा बायोलोजी के साथ-साथ अन्य सम्बंधित विषयों में शोध को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है।

जीजेयू में कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो टकेंश्वर कुमार व अथितिगण। • विज्ञाप्ति

इन्हें मिला फैलोशिप पुरस्कार

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज की ओर से महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोटायम, केरल के कुलपति प्रो. एस. थोमस, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. योगेश शर्मा तथा प्रो. योगेश कुमार मिश्रा को फैलोशिप पुरस्कार तथा आरएमएल अवध विश्वविद्यालय के प्रो. राजकुमार, बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के प्रो. संजीव कुमार, एनआईटी मिजोरम के डा. आलोक शुक्ला, मेरठ विश्वविद्यालय के डा. मुकेश कुमार शर्मा तथा आइआइटी धनबाद के डा. गजेन्द्र के. विश्वकर्मा को एसोसिएट फैलोशिप के पुरस्कार से नवाजा गया।

400 से अधिक प्रतिभागी ले रहे भाग

प्रो. जेपी चतुर्वेदी को सिल्वर जुबली मेडल प्रदान किया गया। इस अवसर पर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज की रजत जयंति स्मारिका तथा सम्मेलन से संबंधित स्मारिका का आयोजन भी किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश से 400 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रस्ताव संयोजक सचिव डा. जयदेवी ने किया। इस अवसर पर प्रो. आरके गुप्ता, प्रो. सोनिका, प्रो. सतबीर मोर, डा. कश्मीरी लाल, डा. विकास वर्मा, डा. ज्योति, प्रो. कुलदीप बंसल, प्रो. देवेन्द्र मोहन, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. आशीष अग्रवाल व डा. कपिल उपस्थित रहे।

रिसर्च जीजेयू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे लंदन के अलस्टर विश्वविद्यालय के प्रो. गिरिजेश प्रसाद ने रिसर्च किया साझा

रोबोट के जरिए हाथ-पांव में हुआ पैरालाइज होगा ठीक

सुभाष चंद्र • हिसार

ब्रेन स्ट्रोक के कारण पैरालाइज (लकवा) हुए हाथ-पांव को रोबोट से ठीक किया जा सकता है। यह जानकारी लंदन के अलस्टर विश्वविद्यालय के प्रो. गिरिजेश प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि पैरालाइज हो चुके अंगों को दोबारा से चलाने के लिए उन्होंने एक रोबोट बनाया है। जो स्ट्रोक के कारण निष्क्रिय हो चुके अंगों को चलाने में सफल रहा है। प्रो. गिरिजेश रविवार को जीजेयू के रसायन विभाग तथा इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के संयुक्त तत्वाधान में 'फिजिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज एट क्रॉस रोडस, इंटरडिस्पलीनरी एक्सप्लोरेशन्स एंड एक्जाइटिंग चेलेंजेज' विषय पर आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंच थे।

यूके से जीजेयू में आए प्रोफेसर गिरिजेश । • जागरण

2008 में शुरू किया था रिसर्च

प्रो. गिरिजेश ने बताया कि उन्होंने यह रिसर्च 2008 में शुरू किया था, जिसके तीसरे चरण को पूरा किया जा चुका है। प्रो. गिरिजेश 210 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित कर चुके है। वह अल्सर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर ऑफ इंटेलीजेंस के रूप में कार्यरत हैं।

ऐसे करेगा काम : प्रो. गिरिजेश ने बताया कि लंबे रिसर्च के बाद उन्होंने रोबोट बनाने में सफलता हासिल की है। इस रोबोट को रिंग की शेप दी गई है। इसका प्रयोग करने के लिए पैरालाइज हो चुके हाथ में इसे पहनाया जाता है। रोबोट को सेंसर लगाकर दिमाग और कंप्यूटर से जोड़ा जाता है। रोबोट को चलाते हैं तो यह पैरालाइज हो चुके हाथ को मूव करने की एक्सरसाइज कराता है, जैसे किसी चीज को हाथों से उठाने की एक्सरसाइज होती है, ठीक वैसे ही यह उंगलियों को कोई चीज पकड़ने के लिए एक्सरसाइज करवाता है। प्रैक्टिकल एक्सरसाइज लगातार आधे घंटे तक करवाई जाती है। सप्ताह में दो से तीन बार रोबोट से इसकी प्रैक्टिस करवाई जाती है। प्रैक्टिस के दौरान रोबोट सिर पर लगाए गए सेंसर के जरिये दिमाग के सिग्नल भी चेक करता है कि जब उंगलियां मूव करती हैं तो क्या दिमाग हाथ को मूवमेंट के सिग्नल भेज भी रहा है या नहीं। यह सिग्नल हमें रोबोट से जुड़ी कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखाई देता है। रोबोट के जरिये यह भी पता लगाया जाता है कि दिमाग की कौन सी नसें हैं, जो ब्लॉक हो चुकी है और हाथ-पांव हिलाने के लिए सिग्नल क्यों नहीं भेज पा रहा है। डा. गिरिजेश का कहना है कि क्योंकि दिमाग से निकले सिग्नल ही हमारे हाथ-पांव के काम करने की वजह हैं, इसलिए इस रोबोट के जरिये दिमाग के सिग्नल पर फोकस किया गया है।

रोबोट दिमाग से निकले सिग्नल को करता है एनालाइज

रोबोट दिमाग से निकले सिग्नल को एनालाइज करता है। दिमाग में सोचने पर कौन से सिग्नल निकलते हैं। उंगलियों की ग्रिप बनाने व छोड़ने के दौरान दिमाग क्या सोचता है। इनका रोबोट द्वारा एनालाइज किया जाता है।

डेढ़ लाख रुपये होगी शुरुआती कीमत

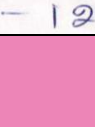

यह रोबोट आम लोगों को भी उपलब्ध करवाया जाएगा। हालांकि अभी इसमें काफी समय लगेगा। इसकी शुरुआती कीमत डेढ़ लाख के करीब होगी। वहीं इसका छोटा वर्जन भी उपलब्ध करवाया जाएगा, जिसकी कीमत भी कम होगी।

दैनिक जागरण - 30-12-2019

शिक्षकों को अधिक इनोवेटिव होना होगा : प्रो . हरभजन

जीजेयू में रिफ्रेशर कोर्स के समापन समारोह में कोर्स से संबंधित स्मारिका का विमोचन करते कुलसचिव प्रो . हरभजन बंसल, प्रो . नीरज दिलबागी। • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के सौजन्य से जीव विज्ञान विषय पर चल रहा रिफ्रैशर कोर्स सम्पन्न हो गया। समापन समारोह के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल रहे। समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता होते हैं। उन्हें और अधिक इनोवेटिव होना होगा। उन्होंने कहा कि शोध में सहभागिता आवश्यक है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत देने का प्रयास करें और विद्यार्थियों में समर्पण तथा कठोर परिश्रम के गुणों को विकसित करें। यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि यह कोर्स प्रतिभागियों के लिए काफी लाभदायक रहा। देश के विभिन्न राज्यों के 31 प्रतिभागियों ने इस कोर्स में भाग लिया। प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं के अतिरिक्त सैंट्रल इंस्टीटयूट ऑफ रिसर्च ऑन बफैलो तथा नेशनल रिसर्च सैंटर ऑन इकवाइन्स का भी दौरा किया। इस अवसर पर कोर्स से सम्बंधित स्मारिका का विमोचन किया गया। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

दैनिक जागरण - 31-12-2019

शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है : प्रो. बंसल

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के सौजन्य से जीव विज्ञान विषय पर चल रहा रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हो गया। समापन समारोह के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल थे।

समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है। उसे और अधिक इनोवेटिव होना होगा। उन्होंने कहा कि शोध में सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे अपने विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत देने का प्रयास करें। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रतिभागी डॉ. रवि कुमार, डॉ. सुशील कुमार व डॉ. सतीश वर्मा ने अपने अनुभव सांझा किए। कोर्स कोर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया ने धन्यवाद संबोधन किया। अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया।

जीजेयू के 8 विद्यार्थियों का हुतामाकी पीपीएल में इंटर्नशिप के लिए चयन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सौजन्य से हुए ऑफ कैम्पस इंटर्नशिप-कम-प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के आठ विद्यार्थियों का रुद्रपुर स्थित हुतामाकी पीपीएल में इंटर्नशिप के लिए चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अधिकारियों के साथ चयनित विद्यार्थी। • विज्ञप्ति

प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि रुद्रपुर स्थित कंपनी कार्यालय में आयोजित इस ड्राइव में बीटेक प्रिंटिंग 2020 बैच के दस विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से आठ विद्यार्थियों को इंटर्नशिप-कम-प्लेसमेंट के लिए चुना गया है। चयनित विद्यार्थी जनवरी 2020 से सातवें सेमेस्टर की परीक्षाओं के बाद 15000 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड राशि पर चुने गए हैं। जून/जुलाई में विद्यार्थियों की इंटर्नशिप की अवधि के बाद उन्हें कंपनी में 2.75 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियमित रूप से समायोजित कर दिया जाएगा। प्लेसमेंट निदेशक ने विद्यार्थियों को प्रेरित करने और तैयार करने के लिए प्रिंटिंग टैक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डा. आरोहित गोयत का आभार व्यक्त किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि रुद्रपुर प्लांट के लिए ममता रूहल, अंकित भाटी, विशाल सक्सेना, आदित्य प्रकाश आनंद, कोमल और अप्रतिम घोष को तथा कंपनी के गुवाहटी प्लांट के लिए सुहास दत्ता और जीतू तालुकदार को चुना गया है।

दैनिक जागरण - 31-12-2019